फा.सं.एबी-11020/1/2024-सा.-समन्वय; ई-27399

भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

पशुपालन और डेयरी विभाग

****

फरवरी, 2024 माह के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय एवं प्रमुख उपलब्धियां।

1. पशुधन स्वास्थ्य:

i. विभाग एलएसडी के समय पर नियंत्रण और रोकथाम के लिए और रोग के आगे प्रसार को रोकने के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के प्रयासों को बढ़ावा दे रहा है। यह रोग वर्तमान में नियंत्रण में है और दिशानिर्देशों के अनुसार टीकाकरण चल रहा है और वर्ष 2024 (जनवरी और फरवरी माह) में एलएसडी के नियंत्रण और रोकथाम हेतु संपन्न कुल टीकाकरण 54.64 लाख है। फरवरी के महीने में एलएसडी का कुल टीकाकरण 37.72 लाख है। जनवरी 2024 के माह में, 3153 पशु प्रभावित हुए और 81 पशुओं की मौत हो गई। फरवरी माह में सक्रिय मामलों की संख्या 1005 थी, एलएसडी के कारण 31 गोपशुओं की मौत हो गई और प्रभावित गोपशुओं की संख्या 299 थी।

ii. अप्रैल, 2023 से जनवरी, 2024 के दौरान एफएमडी टीके की 23.80 करोड़ खुराकें दी गईं। फरवरी, 2024 में विभिन्न राज्यों को आपूर्ति हेतु गुणवत्तापूर्ण एफएमडी वैक्सीन की कुल 4.69 करोड़ खुराकें उपलब्ध कराई गईं।

iii. एफएमडी टीकाकरण का तीसरा चरण 23 (तेईस) राज्यों नामत: हिमाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, दिल्ली, छत्तीसगढ़, चंडीगढ़, गोवा, कर्नाटक, केरल, लद्दाख, लक्षद्वीप, महाराष्ट्र, ओडिशा, पुडुचेरी, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तराखंड, पंजाब, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, पश्चिम बंगाल, मेघालय, गुजरात, जम्मू कश्मीर और उत्तर प्रदेश में पूरा हो गया है। एफएमडी टीकाकरण के तीसरे चरण में अब तक 22.03 करोड़ टीकाकरण किया जा चुका है। 21 (इक्कीस) राज्यों, संघ राज्य क्षेत्रों नामत: कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, चंडीगढ़, दिल्ली, पुडुचेरी, आंध्र प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, उत्तराखंड, गोवा, लद्दाख, लक्षद्वीप, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, हिमाचल प्रदेश और गुजरात, त्रिपुरा, मध्य प्रदेश, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह को कुल 12.57 करोड़ टीकों की आपूर्ति की गई है। एफएमडी के चौथे चरण में अब तक 4.43 करोड़ (29 फरवरी 2024 तक) पशुओं का टीकाकरण किया जा चुका है। एक राज्य यानी कर्नाटक को कुल 0.87 करोड़ वैक्सीन की आपूर्ति की गई है।

iv. विभाग एएसएफ के समय पर नियंत्रण और रोकथाम के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की वित्तीय और तकनीकी रूप से सहायता कर रहा है तथा फरवरी 2024 माह में राजस्थान और केरल में रिपोर्ट किए गए छिटपुट मामलों के साथ रोग वर्तमान में नियंत्रण में है। राष्ट्रीय कार्य योजना के अनुसार जैव सुरक्षा और अन्य नियंत्रण उपाय किए जा रहे हैं।

v. विभाग ने पशु चिकित्सा अवसंरचना (पशु कल्याण समिति) के सुदृढ़ीकरण के संबंध में व्यय विभाग, वित्त मंत्रालय को प्रस्ताव प्रस्तुत किया है।

vi. विभाग ने सीसीएस-एनएआईएच, बागपत में जैव नियंत्रण सुविधा के उन्नयन के लिए व्यय विभाग, वित्त मंत्रालय को प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। वित्त विभाग से स्वीकृति प्राप्त हो गई है। एनडीडीबी और एनआईएएच के साथ सुधार कार्य पर चर्चा की गई। समझौता ज्ञापन (मानक सेवा समझौता और गोपनीयता समझौता) को अंतिम रूप दिया जा रहा है। डीआईबी की बैठक का समय निर्धारित करने से पहले, संकल्पना नोट परिचालन और सैद्धांतिक अनुमोदन के लिए डीओई को भेजा गया है।

vii. विभाग ने वीसीआई सदस्यों के चुनाव के लिए अनंतिम कार्यक्रम जारी किया है। एनआईसी ने पहले ही सॉफ्टवेयर विकसित कर लिया है। सॉफ्टवेयर अपडेट है और ऑनलाइन वोटिंग के लिए registry.gov.in के तहत डोमेन का पंजीकरण किया गया है। इसके अतिरिक्त, निर्वाचक नामावली डाटा अपलोड करने की प्रक्रिया चल रही है।

viii. मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई (एमवीयू) के तहत, वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान फरवरी, 2024 तक 2332 कार्यात्मक एमवीयू के लिए आवर्ती व्यय करने हेतु 97.89 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। सभी राज्यों के साथ यथाशीघ्र एमवीयू को संचालित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

2. राष्ट्रीय पशुधन मिशन (एनएलएम):

चारा विकास पर राष्ट्रीय संगोष्ठी: संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 28.02.2024 को किया गया था। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री पुरशोत्तम रूपाला, माननीय एमएफएएचडी मंत्री जी, ने की थी। राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की सरकारों, दुग्ध संघों, उद्योगों और हितधारकों के 300 से अधिक प्रतिनिधियों के साथ-साथ देश भर के उद्यमियों और किसानों ने भाग लिया।

3. योजना समन्वय (पीसी):

राज्यों की कार्य योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करने और अंतिम रूप देने के लिए, उत्तरी क्षेत्र, पश्चिमी क्षेत्र, उत्तर पूर्वी क्षेत्र, पूर्वी क्षेत्र और दक्षिणी क्षेत्र के लिए क्रमशः दिनांक 13.02.2024, 14.02.2024, 15.02.2024, 19.02.2024 और दिनांक 22.02.2024 को पांच क्षेत्रीय समीक्षा बैठकें आयोजित की गईं।

4. ऋण, विस्तार और प्रचार (सीईपी):

i. दिनांक 14 फरवरी, 2024 को केरल में राष्ट्रीय 'ए-हेल्प' कार्यक्रम शुरू किया गया। पशुपालन मंत्री जे. चिंचुरानी ने केरल के कार्यवट्टम में पशुपालन क्षेत्र में एक टास्क फोर्स ए-हेल्प का उद्घाटन किया| ए-हेल्प का उद्देश्य पशुधन किसानों के द्वार तक विभिन्न सेवाओं की प्रदायगी और वैज्ञानिक ज्ञान के प्रसार में तेजी लाना है|

ii. पशुधन जागृति अभियान- आकांक्षी जिलों में गहन जागरूकता कार्यक्रम और बांझपन शिविर-समावेशी विकास के तहत पशुधन जागृति अभियान के भाग के रूप में 4 राज्यों के आकांक्षी जिलों में 16 जागरूकता कार्यक्रम और प्रजनन शिविर आयोजित किए गए।

5. अंतर्राष्ट्रीय सहयोग (आईसी):

i. माननीय मंत्री, एमएफएएचडी श्री परशोत्तम रूपाला और भारत में ब्राजील के राजदूत महामहिम श्री केनेथ एच. दा नोब्रेगा, के बीच दिनांक 05.02.2024 को दोनों देशों के बीच लंबित बाजार पहुंच के मुद्दों पर विशेष जोर देने के साथ द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा करने हेतु एक बैठक आयोजित की गई थी। बैठक के दौरान जिन मुद्दों पर चर्चा की गई उनमें ब्राजील से भारत को आनुवंशिक सामग्री नामत: बोवाईन वीर्य और बोवाईन भ्रूण, हैचिंग अंडे और पोल्ट्री मीट का निर्यात शामिल था। इसी तरह, भारत से ब्राजील को ऊंट के दूध और भैंस के मांस के निर्यात के मुद्दों पर भी चर्चा की गई।

ii. प्रतिष्ठित ऑस्ट्रेलिया पुरस्कार एक पेशेवर छात्रवृत्ति जिसका शीर्षक "डेयरी सहयोग: डेयरी उत्पादन और प्रबंधन में आधुनिक प्रथाएं": है, के तहत भारतीय प्रतिनिधिमंडल की ऑस्ट्रेलिया यात्रा के संबंध में दौरे के कार्यक्रम को अंतिम रूप देने के लिए दिनांक 01.02.2024 को संयुक्त सचिव (व्यापार/आईसी) और ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधिमंडल के बीच एक बैठक आयोजित की गई।

iii. दोनों देशों के बीच बाजार पहुंच के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए संयुक्त सचिव (व्यापार/आईसी) और न्यूजीलैंड प्रतिनिधिमंडल के बीच दिनांक 26.02.2024 को एक बैठक आयोजित की गई थी। बोवाईन वीर्य के निर्यात, भारत में न्यूजीलैंड के डेयरी उत्पादों के मुद्दों और न्यूजीलैंड को भारतीय भैंस के मांस, पोल्ट्री और डेयरी उत्पादों के निर्यात के मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान न्यूजीलैंड से भारत को पेट फूड के निर्यात के लिए न्यूजीलैंड पक्ष के सक्षम प्राधिकारी द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित मूल स्वच्छता प्रमाण पत्र की प्रतियां सौंपी गईं।

iv. न्यूजीलैंड से भारत में जीवित भेड़ों के आयात के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए संयुक्त सचिव (व्यापार/आईसी) और न्यूजीलैंड प्रतिनिधिमंडल के बीच दिनांक 28.02.2024 को एक बैठक आयोजित की गई थी।

v. एक प्रतिनिधिमंडल ने दिनांक 19 से 23 फरवरी, 2024 के दौरान प्रतिष्ठित ऑस्ट्रेलिया पुरस्कार "डेयरी सहयोग: डेयरी उत्पादन और प्रबंधन में आधुनिक प्रथाएं" नामक एक पेशेवर छात्रवृत्ति में भाग लेने के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया।

6. बजट:

वर्ष 2023-24 के लिए फरवरी, 2024 तक 4183.93 करोड़ रुपये के संशोधित अनुमान (बीई) के मुकाबले 2336.09 करोड़ रुपये का व्यय हुआ। फरवरी, 2024 माह के दौरान, पशुपालन और डेयरी विभाग का व्यय 567.06 करोड़ रुपये था।

******